of mutual funds, so as to protect the small investors;

(b) whether any complaint of any violation specifically against Canbank Mutual Fund have come to the notice of Government;

(c) whether Canbank Mutual Fund is cheating the investors by not properly informing them of the redemption of units specially under CAN-80CC Scheme of the year 1990; and

(d) if so, the action taken and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (DR. DEBIPROSAD PAL): (a) Mutual Funds are under the regulatory purview of the Securities and Exchange Board of India (SEBI). SEBI has notified regulations for mutual funds, which, inter-alia, contian provisions relating to eligibility criteria for sponsoring a mutual fund, separation of functions of an Asset Management Company/Custodians/Trustees, investment restrictions and monitoring and inspection.

(b) A few complaints received from Investor Associations against Canbank Mutual Fund have been sent to SEBI for appropriate action.

(c) Canbank Mutual Fund has clarified that for the CAN-80CC 90, which was redeemed on 30th December, 1995, notice of book closure for the purpose of redemption, was published in leading newspapers in October, 1995. Announcement of the redemption was made in 23 newspapers including regional newspapers from November, 1995 onwards. In addition, individual intimations were sent to all investors on the methodology to be followed for redemption. The redemption proceeds have already been despatched to those investors who have surrendered the unit certificates.

(d) Does not arise.

हथकरघा उद्योग में संकट

76. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में हथकरघा उद्योग की वर्तमान स्थिति का आंकलन करने हेतु हाल ही में किसी उच्च अधिकारयुक्त समिति का गठन किया है;

(ख) क्या देश में हथकरघा उद्योग कच्चे माल की कमी और इसकी भारी लागत के कारण बंद होने के कगार पर है:

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) देश में हथकरघा उद्योग में इस समय कार्यरत व्यक्तियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) हथकरघा उद्योग की वर्तमान विषम स्थिति हेतु कौन से मुख्य कारक उत्तरदायी हैं; और

(च) देश में विशेषकर मध्य प्रदेश और गुजरात में हथकरघा उद्योग के विकास हेतु कौन से कदम उठाये गये हैं?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) जी हां।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) हथकरघा उद्योग में वर्ष 1994-95 के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 128.60 लाख व्यक्तियों को रोजगार मिला हुआ है। इस संबंध में राज्य-वार आंकड़े नहीं रखे जाते।

(ङ) हथकरघा कपड़े के उत्पादन में हैंक यार्न प्रमुख रूप से कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है जिसके मूल्य कपास के मूल्यों पर निर्भर करते हैं जिनमें उतार-निर्भर करते हैं जिनमें उतार-उढ़ाव बना रहता है।

(च) मध्य प्रदेश और गुजरात सहित सभी राज्यों में हथकरघा उद्योग के विकास के लिए निम्नलिखित प्लान योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं:—

1. हथकरघा विकास केन्द्र योजना।
2. प्रोजेक्ट पैकेज योजना।
3. एकीकृत हथकरघा ग्राम विकास योजना।
4. राष्ट्रीय सिल्क यार्न बैंक योजना।
5. कार्यशाला-सह-आवास योजना।
6. थ्रिफ्ट फंड योजना।
7. समूह बीमा योजना।
8. स्वास्थ्य पैकेज योजना।